



शासकीय होलकर (आदर्श स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र.)

प्रतिवेदन: विकसित भारत @ 2047

विषय: भारत में शिक्षा का भविष्य

विषय: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.)2020-विकसित भारत@2047.

विषयान्तर्गत अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 कि थीम एन.ई.पी. : शिक्षा से विकसित भारत के अंतर्गत माह अक्टूबर 2026 में दिनांक 05 अक्टूबर से 10 अक्टूबर के मध्य नियमानुसार गतिविधिया आयोजित कि गयी जिनके संश्लिष विषय वस्तु निम्नानुसार है -

विकसित भारत @ 2047 की संकल्पना के अंतर्गत शासकीय होलकर (आदर्श, स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 की थीम “NEP: Viksit Bharat @ 2047” के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विकसित भारत के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना तथा उनमें रचनात्मकता, नवाचार, आलोचनात्मक चिंतन एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करना था।

1. दिनांक 05/10/2026 — डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता

विभाग: इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग - विषय: “2047 में शिक्षा की परिकल्पना”

इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने डिजिटल माध्यम से वर्ष 2047 की शिक्षा व्यवस्था की कल्पना प्रस्तुत की। पोस्टरों के माध्यम से तकनीक-आधारित शिक्षा, डिजिटल नवाचार एवं भविष्य की शैक्षणिक संभावनाओं को रचनात्मक रूप में अभिव्यक्त किया गया।

2. दिनांक 06/10/2026 — वाद-विवाद प्रतियोगिता

विभाग: हिंदी विभाग - विषय: “शिक्षा में ए.आई. का प्रयोग”

इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग, उसकी संभावनाओं, चुनौतियों एवं प्रभावों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। चर्चा में तकनीकी नवाचार के साथ मानवीय विवेक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर भी विचार-विमर्श किया गया।

3. दिनांक 07/10/2026 — राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 पर आधारित सांस्कृतिक एवं कला कार्यक्रम

विभाग: राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) - विषय: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित विकास

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों तथा समग्र व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कला एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के संबंध को रेखांकित किया गया।

4 दिनांक 07/10/2026 — पैनल चर्चा

विभाग: अंग्रेजी विभाग - विषय: “भारत में शिक्षा का भविष्य”

चर्चा के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, कौशल-आधारित शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग तथा विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, रचनात्मक सोच एवं आलोचनात्मक विश्लेषण क्षमता के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

5 . दिनांक 09/10/2026 — कला कार्यक्रम: विविध कलाएँ

विभाग: बायोकेमिस्ट्री विभाग - इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विविध कलात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं अभिव्यक्ति कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

महाविद्यालय में आयोजित इन विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, तकनीकी नवाचार, डिजिटल शिक्षा, सांस्कृतिक मूल्यों एवं कौशल-आधारित शिक्षा के महत्व से परिचित कराया गया। इन कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त करने तथा शिक्षा के भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान किया। गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा, तकनीकी विकास, नवाचार, कौशल संवर्धन और युवाओं की सक्रिय भागीदारी ही विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।



शासकीय होलकर (आदर्श स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र.)

// रिपोर्ट //

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

दिनांक –05/10/2026

“अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2026” के अंतर्गत “2047 में शिक्षा की परिकल्पना” विषय पर डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

शासकीय होलकर (मॉडल, स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर में दिनांक 05.10.2026 को “अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2026” के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा “2047 में शिक्षा की परिकल्पना” विषय पर डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्ष 2047 की भावी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना को रचनात्मक एवं डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित शिक्षा, प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा, कौशल विकास एवं भविष्य के लिए तैयार शिक्षा, स्मार्ट लर्निंग एवं नवाचारी कक्षाओं, डिजिटल एवं वर्चुअल लर्निंग तथा समान एवं समावेशी शिक्षा जैसे विषयों पर अपने रचनात्मक डिजिटल पोस्टर प्रस्तुत किए।

इस प्रतियोगिता में कुल 48 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिसमें 29 छात्र एवं 19 छात्राओं की भागीदारी रही। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता एवं भविष्य की शिक्षा व्यवस्था के प्रति अपनी कल्पनाशील सोच को डिजिटल पोस्टरों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में पोस्टर को मौलिक एवं स्व-निर्मित रखने पर विशेष जोर दिया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार का प्रावधान रखा गया। महाविद्यालय की प्राचार्य-डॉ. अनामिका जैन द्वारा बताया गया कि इस आयोजन से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, डिजिटल कौशल, तकनीकी नवाचार तथा भविष्य-केंद्रित सोच को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी-डॉ. नागेश उगावकर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को वर्ष 2047 की शिक्षा व्यवस्था के संभावित स्वरूप पर विचार करने तथा अपने विचारों को रचनात्मक डिजिटल माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर प्राप्त होता है।

कार्यक्रम के संयोजक-डॉ. नेतराम कौरव ने बताया कि “अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2026” की व्यापक भावना के अनुरूप आयोजित यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को भविष्य की शिक्षा, तकनीक और नवाचार से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुई है। उक्त कार्यक्रम “अखिल भारतीय शिक्षा समागम-2026” की संयोजक-डॉ. तौषीह अब्बासी के निर्देशन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और कार्यक्रम के आयोजन में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।





शासकीय होलकर (आदर्श स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र.)

// रिपोर्ट //

हिन्दी विभाग

दिनांक -06/10/2026

शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 की थीम "NEP: शिक्षा में विकसित भारत @ 2047" के अंतर्गत हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 06 अक्टूबर 2026 को वाद-विवाद प्रतियोगिता जिसका विषय: "शिक्षा में AI का प्रयोग" का आयोजन किया गया था। जिसमें प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगांवकर, डॉ. तौशीह अब्बासी (कार्यक्रम प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग) एवं डॉ. मनोरमा अग्रवाल (कार्यक्रम संयोजक एवं विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग) के द्वारा सरस्वती मां को दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मनोरमा अग्रवाल के द्वारा बताया गया AI न तो पूरी तरह अभिशाप है और न ही जादुई वारदान यदि इस पर पूरी तरह निर्भरता बढ़ गई तो यह हमारी शिक्षा प्रणाली और मानवीय मूल्यों को नुकसान पहुँचा सकता है। क्योंकि एक शिक्षक केवल पढ़ाता नहीं बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, अनुशासन और सहानुभूति विकसित करता है जो कोई मशीन नहीं कर सकती। कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. प्रीति चतुर्वेदी एवं डॉ. रजनी मिश्रा रहे। संचालन डॉ. आराधना कौरव द्वारा एवं आभार प्रो. रेखा सोनी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में पक्ष से प्रथम मनीषा जाट, द्वितीय रूपेश नागपूरे एवं तृतीय स्थान पर चैतन्य वैष्णव रहे। विपक्ष से प्रथम स्थान अक्षरा कवड़े, द्वितीय स्थान पर शिवी द्विवेदी एवं सूर्यभानु प्रताप सिंह रहे।



वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन



शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 की थीम एनईपी शिक्षा में विकसित भारत - 2047 के अंतर्गत हिन्दी विभाग द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता जिसका विषय: शिक्षा में एआई का प्रयोग का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगांवकर, कार्यक्रम संयोजक डॉ. तौशीह अब्बासी गतिविधि प्रभारी डॉ. मनोरमा अग्रवाल के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की निर्णायक डॉ. प्रीति चतुर्वेदी एवं डॉ. रजनी मिश्रा थी। संचालन डॉ. आराधना कौरव एवं आभार प्रो. रेखा सोनी द्वारा किया गया।



शासकीय होलकर (आदर्श स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र.)

// रिपोर्ट //

एन. एस. एस. विभाग

दिनांक -07 / 10 / 2026

एन. एस. एस. ने कला एवं संस्कृति के माध्यम से दिया 'शिक्षा में विकसित भारत @2027' का संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित विकास-आधारित, समग्र एवं सांस्कृतिक शिक्षा की अवधारणा को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना (एन. एस. एस.) द्वारा सांस्कृतिक एवं कला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम "नई शिक्षा नीति शिक्षा में विकसित भारत @2027" रही। एन. एस. एस. स्वयंसेवकों ने कला, संस्कृति एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों एवं विकसित भारत के संकल्प को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगांवकर तथा एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सीमावती सिसोदिया की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत एन. एस. एस. स्वयंसेवकों द्वारा सोलो क्लासिकल परफॉर्मेंस, डुओ क्लासिकल परफॉर्मेंस एवं नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों दी गईं। शास्त्रीय प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय कला एवं संस्कृति की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति "नई शिक्षा नीति शिक्षा में विकसित भारत @2027" विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक रही। इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत कौशल विकास, रचनात्मकता, व्यावहारिक शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रभावी एवं जनसुलभ शैली में प्रस्तुत किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

कार्यक्रम में प्रस्तुतियों के आधार पर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए परिणाम घोषित किए गए। प्रथम स्थान प्रशस्ति दवे ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान "नई शिक्षा नीति शिक्षा में विकसित भारत @2027" विषय पर प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने प्राप्त किया, जिसका प्रतिनिधित्व अश्विनी गुर्जर ने किया। वहीं तृतीय स्थान डुओ क्लासिकल परफॉर्मेंस को प्राप्त हुआ, जिसमें ईशा मंडल एवं तनुष्का चटर्जी ने शानदार प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों एवं एन. एस. एस. स्वयंसेवकों द्वारा शपथ भी ली गई, जिसमें शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर एन. एस. एस. ने अपनी गतिविधियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि युवा शक्ति केवल सामाजिक सेवा में ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कला, संस्कृति, रचनात्मकता एवं राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के समग्र विकास तथा "शिक्षा में विकसित भारत @2027" के संकल्प को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त किया।





शासकीय होलकर (आदर्श स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र)

// रिपोर्ट //

अंग्रेजी विभाग

दिनांक -07/10/2026

अखिल भारतीय शिक्षा समागम 20 के अंतर्गत “भारत में शिक्षा का भविष्य” विषय पर पैनल चर्चा आयोजित

शासकीय होलकर (आदर्श, स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर के अंग्रेजी विभाग द्वारा दिनांक 7 अक्टूबर 2026 को अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की थीम “विकसित भारत @2047” के तहत “भारत में शिक्षा का भविष्य” विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 12 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। चर्चा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

कार्यक्रम के दौरान गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), तकनीकी नवाचार, कौशल विकास तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने शिक्षा व्यवस्था में आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग तथा विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, संचार कौशल एवं उद्यमिता विकसित करने की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। चर्चा ने प्रतिभागियों को शिक्षा के बदलते स्वरूप को समझने तथा विकसित भारत के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका पर चिंतन करने का अवसर प्रदान किया।

विद्यार्थियों ने शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एवं नवाचार के प्रयोग, शैक्षणिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन, आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक चिंतन के विकास तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल विकसित करना होना चाहिए।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मेजर अनामिका जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की गतिविधि प्रभारी डॉ. कांता मूलचंदानी रहीं तथा संयोजन डॉ. तौशीह अब्बासी, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग द्वारा किया गया एवं डॉ. रजनी मिश्रा, अंग्रेजी विभाग द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम विद्यार्थियों में शैक्षणिक जागरूकता, संवाद कौशल एवं सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहा।



आधुनिक नवाचारों के प्रयोग
चर्चा के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक नवाचारों के प्रयोग, शैक्षणिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन व छात्रों में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक चिंतन के विकास पर बल दिया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोरमा अग्रवाल एवं गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. विवेक रैच ने निभाई। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद विजेताओं की घोषणा की गई। आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मेजर अनामिका जैन एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगॉवकर के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का संयोजन गतिविधि प्रभारी डॉ. कांता मूलचंदानी एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. तौशीह अब्बासी के सहयोग से किया गया।



शासकीय होलकर (आदर्श स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र.) // रिपोर्ट //

बायोकेमिस्ट्री विभाग

दिनांक -09/10/2026

एनईपी की थीम पर रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई सृजनात्मकता

शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर के जीव रसायन विभाग द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत दिनांक 09/10/2026 को "एनईपी : शिक्षा से विकसित भारत @ 2047" विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगों और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से नई शिक्षा नीति तथा विकसित भारत के संकल्प को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

रंगोली के माध्यम से शिक्षा, नवाचार, कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य जैसे विषयों को दर्शाया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा के साथ-साथ विषय की समझ का भी प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनात्मक सोच, भारतीय शिक्षा व्यवस्था के प्रति जागरूकता तथा विकसित भारत के प्रति सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

महाविद्यालय की प्राचार्य मेजर डॉ. अनामिका जैन, उप-प्राचार्य डॉ. रविन्द्र गर्ग एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगौवकर ने विद्यार्थियों की सहभागिता और रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की।

कार्यक्रम का संयोजन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तौशीह अब्बासी के निर्देशन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। रंगोली प्रतियोगिता में डॉ. उन्नति भायरे, विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग और डॉ. फोजिया अजीज सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग, निर्णायक रहीं। जीवरसायन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तसनीम रंगवाला, गतिविधि प्रभारी रहीं, एवं इसके सफल आयोजन में जीव रसायन विभाग की डॉ. भावना शर्मा एवं डॉ. संध्या शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई सृजनात्मकता



इंदौर। शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर के जीव रसायन विभाग द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत +एनईपी- शिक्षा से विकसित भारत / 2047+ विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य मेजर डॉ. अनामिका जैन, उप-प्राचार्य डॉ. रविन्द्र गर्ग एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगौवकर ने विद्यार्थियों की सहभागिता और रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की।

कार्यक्रम का संयोजन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तौशीह अब्बासी के निर्देशन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

रंगोली प्रतियोगिता में डॉ. उन्नति भायरे, विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग और डॉ. फोजिया अजीज सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग, निर्णायक रहीं। जीवरसायन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तसनीम रंगवाला, डॉ. भावना शर्मा एवं डॉ. संध्या शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रंगों में सजा विकसित भारत 2047: रंगोली से दिखाई एनईपी और नवाचार की झलक

होलकर साइंस कॉलेज में विद्यार्थियों ने बिखेरा उंगलियों का जादू

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

जब रंगों की छटा के साथ शिक्षा, कौशल और राष्ट्र के स्वर्णिम भविष्य के सपने धरातल पर उतरते हैं, तो कला केवल सजावट नहीं बल्कि एक सशक्त संदेश बन जाती है। कुछ ऐसा ही नजारा शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में देखने को मिला, जहां विद्यार्थियों ने अपनी उंगलियों के जादू और रंगों की चमक से 'विकसित भारत एट द रेट 2047' का खाका तैयार कर दिया। अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के अंतर्गत महाविद्यालय के जीवरसायन (बायोकेमिस्ट्री) विभाग की ओर से शुक्रवार को विशेष रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।



प्रतियोगिता की थीम थी एनईपी : शिक्षा से विकसित भारत एट द रेट 2047। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, नवाचार, कौशल विकास, आत्मनिर्भरता व वर्ष 2047 तक भारत को एक सशक्त व विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से उकेरा।

प्रतिभा की सराहना

प्राचार्य मेजर डॉ. अनामिका जैन, उप-प्राचार्य डॉ. रविन्द्र गर्ग व प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगौवकर ने छात्र-छात्राओं की इस सृजनात्मक अभिव्यक्ति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्रों में रचनात्मक सोच को जन्म देते हैं, बल्कि उन्हें देश की नई शिक्षा प्रणाली और राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति जागरूक भी बनाते हैं। कार्यक्रम अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तौशीह अब्बासी के निर्देशन में हुआ। प्रतियोगिता का मूल्यांकन सांख्यिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. उन्नति भायरे व भौतिकी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. फोजिया अजीज ने किया। जीवरसायन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तसनीम रंगवाला गतिविधि प्रभारी रहीं।